

प्रेषक,

एन०एस०नेगी
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पंचायती राज एवं ग्रामीण अभियन्त्रण अनुभाग देहरादून दिनांक ०५ अप्रैल, 2008

विषय:- वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु वचनबद्ध मदों की धनराशि अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक के अन्तर्गत कुल रु० 12,25,94,000-00 (रु० बारह करोड़ चच्चीस लाख चौरानब्बे हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित वचनबद्ध मानक मदों में व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

क्र.सं.	मानक मद	धनराशि (हजार रुपये में)
1	01-वेतन	49350
2	02-मजदूरी	608
3	03-महगाई भत्ता	37013
4	08- अन्य भत्ते	5429
5	08-कार्यालय व्यय	2000
6	09-विद्युत देय	330
7	10-जलकर/जल प्रसार	91
8	13-टेलीफोन पर व्यय	450
9	15-गाड़ियों का अनुसंधान और पेट्रोल आदि की खरीद	1500
10	17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	650
11	27-विक्रय व्यय प्रतिपूर्ति	500
12	48-महगाई वेतन	24675
	योग	122594

12,25,94,000-00 (रु० बारह करोड़ चच्चीस लाख चौरानब्बे हजार मात्र)

- उक्त धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित अधिष्ठान हेतु आवश्यकतानुसार फांट अपने स्तर से किया जाय।
- उक्त आवंटित धनराशि का आहरण एक गुस्त न कर आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की सारणी बनाकर ही किया जाय।
- इसे केवल घालू कार्यों के लिए ही व्यय किया जायेगा।

कमंडर: 2 पर.....

6. उक्त आवंटित धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर जारी/ जारी होने वाले मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों को ध्यान में रखकर किया जाय तथा व्यय आवंटित धनराशि की सीमा तक ही रुखा जाय।
7. निर्माण कार्य एवं सामग्री कय हेतु धनराशि व्यय करने से पूर्व वित्तीय नियमों के अन्तर्गत आगणन इत्यादि पर सक्षम अधिकारी से प्रशासनिक/ प्राविधिक स्वीकृति आवश्यक प्राप्त कर ली जाय तथा धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार वित्तीय नियमों के अन्तर्गत ही किया जाय।
8. उक्त आवंटित धनराशि के व्यय की संकलित सूचना प्रपत्र-बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 7 वीं तिथि तक शासन को उपलब्ध करा दी जाय।
9. वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशि की सीमा तक ही व्यय किया जाय।
10. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रम-आयोजन-800-अन्य व्यय-03 ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
11. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च, 2008 के द्वारा प्रदत्त प्राधिकारों के अन्तर्गत जारी किया जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन0एस0नेगी)
अपर सचिव।

संख्या 65 /~~XX~~07/83(04)/2003 तद दिनांक ।

1. प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/समस्त कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड देहरादून।
5. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय देहरादून।
9. गार्ड फाईल

आज्ञा से

(एन0एस0नेगी)
अपर सचिव